

**Date:** 29-08-20  
**Publication:** Sanmarg  
**Edition:** Asansol

## कोल इंडिया ने की सहायक कंपनियों में 18 नई भूमिगत खदान खोलने की तैयारी

**सांकेतोडिया :** कोल इंडिया प्रबंधन ने अपने सहायक कंपनियों में 18 नई भूमिगत कोयला खदान खोलने की तैयारी कर ली है। कोल इंडिया के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सभी नई भूमिगत कोयला खदानें मेग प्रोजेक्ट के तहत शुरू की जाएंगी। इसका उद्देश्य सहायक कंपनियों में संभावित क्षेत्रों में भूमिगत खदानों के जरिए कोयला उत्पादन में बढ़ोतरी करना है। विशेष बात यह भी है कि इन खदानों में आधुनिक तकनीक कन्टीन्यूअस म्हाइंस के माध्यम से कोयला उत्पादन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोल इंडिया आगामी कुछ वर्षों में एक हजार मिलियन टन तक कोयला उत्पादन के रेट मैप पर काम कर रही है जिसके लिए पुराने खदानों का विस्तार, नई खदान की संभावनाओं को उल्लेख जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष में कोल इंडिया को 660 मिलियन टन

कोयला उत्पादन करना है। ईसीएल की बात करें तो यहाँ बीते वर्ष 51 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया गया था जबकि इस वर्ष 55 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले एस्ईसीएल के खुदेली में खदान खोलने की योजना तीन वर्ष पहले बनी थी। तत्कालीन सीएमजी ने खुदेली में संभावित खदान को लेकर कहा था कि पूरा अध्ययन करने के लिए सीएमपीडीआई से कहा गया परंतु किसी कारणवश अभी तक चालू नहीं हो पाया है। वहाँ कहा कि डिजिटिंग, एक्सप्लोरेशन व दूसरी औपचारिक प्रक्रिया के बाद स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट हो जाएगी। हालांकि इसके बाद इस मामले में कोई प्रगति देखने नहीं मिली। ईसीएल में भी नई खदान की संभावना कोल इंडिया प्रबंधन व युनियन प्रतिनिधियों बीच हुई मीटिंग में यह जरूर बताया

गया कि नई भूमिगत कोयला खदानें शुरू करने के लिए प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए डीपीआर भी तैयार करने की बात कही है। प्रबंधन ने खुलासा नहीं किया है कि नई खदानें किन क्षेत्रों में खुलेंगी। संभावना है नई भूमिगत खदानें ईसीएल, बीसीसीएल, सीसीएल, डब्ल्यूसीएल के अलावा एस्ईसीएल कंपनियों में शुरू की जा सकती हैं। कोयला खदान ईसीएल में करीब 78 खदानें संचालित हैं जिसमें 48 भूमिगत, 10 मिश्रित व 20 खुली खदान हैं। झारखंड राज्य में दो खुली खदानें राजमहल एवं एसपी म्हाइंस में हैं जबकि मुगमा में मिश्रित खदान संचालित हैं। ईसीएल का करीब 70 फीसदी कोयला उत्पादन जिले की खदानों से होता है। अभी 50 मिलियन टन से अधिक कोयला उत्पादन होता है। आधुनिक तकनीक से सुरक्षा के साथ उत्पादन भी सुधरेगा।

*Date:* 29-08-20

*Publication:* The Times of India

*Edition:* Kolkata

## **CIL to buy 96 dumpers from Belarus co**

TIMES NEWS NETWORK

**Kolkata:** Coal India (CIL) is purchasing 96 dumpers of 240 tonne capacity from Belaz of Belarus for Rs 2,900 crore.

An official said that CIL is endeavouring to ramp up its production and modernising its equipment is a step in that direction. The Maharatna PSU has already issued a letter awarding the contract and its board has given the nod to close the deal.

"The amount for the purchase of the dumpers would be met out of the company's own finances," an official said.

Dumpers are primarily used in opencast mines and aid in the transport of bulk materials like overburden, which is an important performance criterion. The purchase package comprises the cost of the dumpers and spares for eight years, including a one-year warranty period. Belaz bagged the contract through a global tender process.

***Date:*** 31-08-20  
***Publication:*** The New Indian Express  
***Edition:*** Bhubaneswar  
***Entity:*** Coal India Limited

### **Coal India to create additional board level post to push development**

New Delhi: The board of Coal India Ltd has approved creating an additional board level post in the PSU and its subsidiaries. According to a recent Coal India report, the post of Director (Business Development) will be created to identify and develop new business opportunities.

***Date:*** 31-08-20  
***Publication:*** Morning India  
***Edition:*** Ranchi  
***Entity:*** Coal India Limited

### **'COAL INDIA AIMS TO BE COMMERCIALY VIABLE'**

**NEW DELHI:** Coal India Chairman Pramod Agrawal has said that the company envisions to be a commercially viable company. The Chairman's statement in the company's Annual Report said that the public sector unit's vision is to ensure that there is no shortage of coal in the country and to make the country self-reliant in coal. "Coal India envisions to be a commercially viable company and endeavours to move ahead as a contemporary, professional, consumer friendly and successful corporate entity committed to national developmental goals," he said.